IOSR Journal Of Humanities And Social Science (IOSR-JHSS)
Volume 22, Issue 9, Ver. 6 (September. 2017) PP 07-12
e-ISSN: 2279-0837, p-ISSN: 2279-0845.
www.iosrjournals.org

जनपद सुल्तानपुरः समाजिक विकास स्तर में स्त्री साक्षरता का योगदान

डॉ0 दीप्ती श्रीवास्तव
डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।इेजतंबज (सारांश)
Corresponding Author: डॉ0 दीप्ती श्रीवास्तव

किसी भी समाज का निर्माण स्त्री और पुरूष से होता है स्त्री की प्रधानता होती है। क्योंकि स्त्री जननी होती है। उसका साक्षर होना जरूरी है क्योंकि वो आने वाले पीढ़ी को अच्छे तरीके से साक्षर करेगी। भारत में महिलाओं की स्थिति सदैव एक समान नहीं रही है। इसमें युगानुरूप परिवर्तन होते रहे हैं। उनकी स्थिति में वैदिक युग से लेकर आज तक उतार–चढ़ाव आते हैं तथा उनके अधिकारों में तदानुरूप बदलाव भी होते रहे हैं। 11वीं शताब्दी से 19 शताब्दी के बीच भारत में महिलाओं की स्थिति दयनीय होती गई। 20वीं सदी के उत्तरार्द्ध और अब 21वीं सदी के प्रारम्भ में बराबरी व्यवहार वाले जोड़े बनने लगे हैं। नौकरी वाली नारी के साथ पुरूष की मानसिकता में बदलाव आया है। वस्तुतः 21वीं सदी महिला सदी है। वर्ष 2001 महिला सशक्तिकरण वर्ष के रूप में मनाया गया। इसमें हमने महिलाओं में साक्षरता दर तथा उनका सामाजिक विकास स्तर पर अध्ययन किया गया है। जो कि महिलाओं का साक्षरता दर 1961 (15.35%)–2001 (53.67%) उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले की महिलाओं के मध्य काफी अन्तर पाया गया, महिलायें पहले से अधिक साक्षर पाई गई। उनका सामाजिक विकास स्तर मध्य स्तर पाया गया।

मुख्य शषाः साक्षरता दर, सामाजिक विकास दर

Date of Submission: 24-08-2017 Date of acceptance: 13-09-2017

I. Introduction (प्रस्तावना)

सुलतानपुर **जनपद (25059′)** उत्तरी से **260040′** उत्तरी अक्षांश तथा **81032′** पूर्वी से **82041′** पूर्वी देशान्तर गंगा मैदान में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पश्चिमी छोर पर फैजाबाद सम्भाग में स्थिति हैं यह उत्तर में फैजाबाद एंव अम्बेडकरनगर, पूर्व में जौनपुर एवं आजमगढ़, दक्षिण में प्रतापगढ़ पश्चिम में रायबरेली तथा उत्तर–पश्चिम में बाराबंकी जनपद की सीमा द्वारा परिसीमित है। इसका क्षेत्रफल 4436.00 वर्ग किमी0 एवं जनसंख्या 32178232 (2001) है। प्रशासनिक दृष्टि से यह 6 तहसीलों में नवसृजित तहसील जयसिंहपुर का गठन दिसम्बर 2007 में किया गया है। मुसाफिरखाना, गौरीगंज,अमेठी, सुल्तानपुर, कादीपुर तथा लम्भुआ एवं 23 विकासखण्डों–शुकुल बाजार जगदीशपुर, मुसाफिरखाना, बल्दीराय, जामों शागढ़, गौरीगंज, अमेठी, भेटुआ, भादर, संग्रामपुर, धनपतगंज, कूरेभार, जयसिंहपुर, कुड़वार, दूबेपुर, मोतिगरपुर दोस्तपुर, अखण्डनगर, कादीपुर, भदैया, लम्भुआ, प्रतापपुर कमैंचा में विभक्त है।

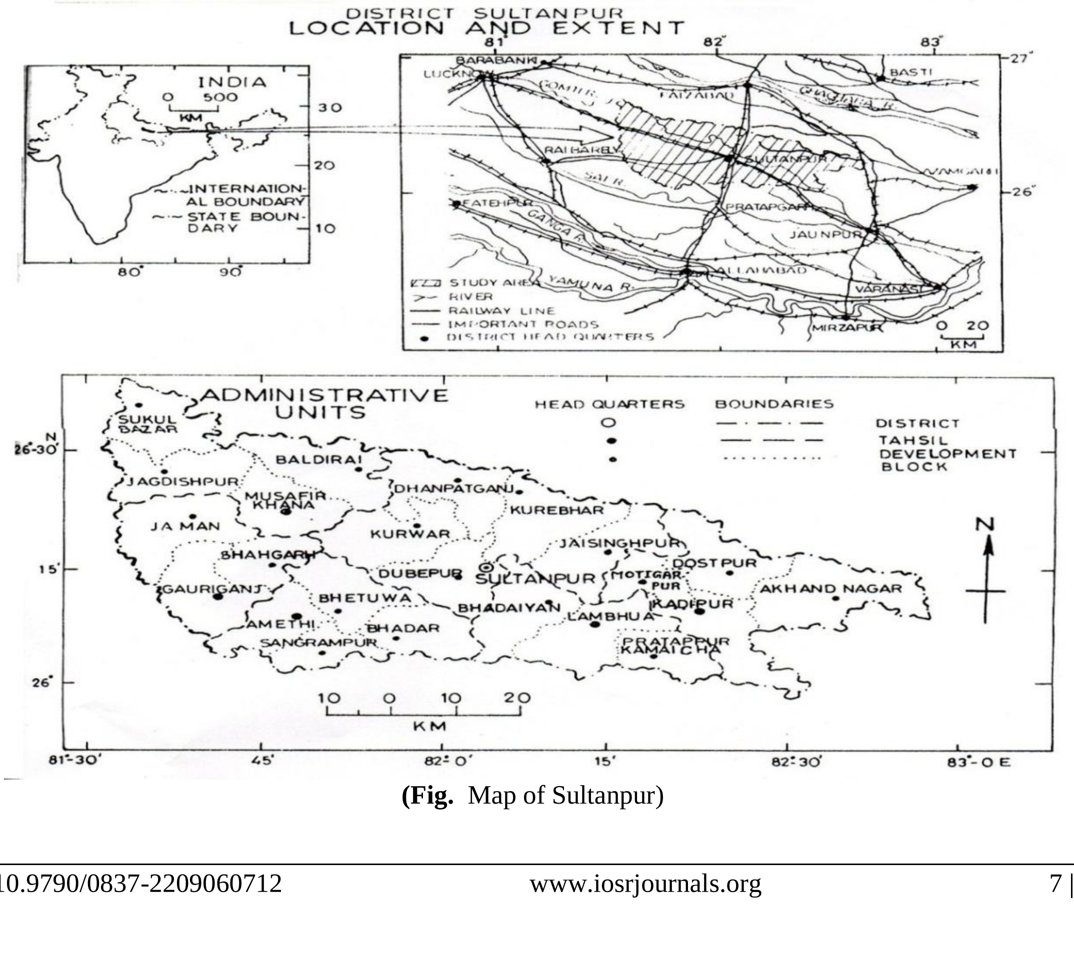

(Fig. Map of Sultanpur)

Table-1

SL.No.	India/State/District	Education Level (%)
1-	India	53.67
2-	Uttar Pradesh	42.22
3-	Sultanpur	40.86

(Figures in parenthesis in indicates percentage)

सामाजिक विकास को लोगों की बदलती एवं बढती हुई आवश्यकताओं के संदर्भ में वर्तमान सामाजिक व्यवस्था की क्षमता के उन्नयन हेतु नियोजित रूपरेखा के कार्ययोजना के रूप में परिभाषित किया गया है। सामाजिक विकास एक अलग एवं स्वतंत्र अस्तित्व वाला विकास नही, बल्कि विकास के आयामों के समाजिक पक्ष एक संक्षप्ति रूप है। सामाजिक विकास को संस्थागत विकास के पर्याय के रूप में प्रयोग किया जाता है, जो मानव की आवश्यकताओं, समाजिक व्यवस्थाओं और कार्यक्रमों को बेहतर दशाओं में लाने के लिए संस्थागत परिवर्तन की प्रक्रिया के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। **(Sharma P.N. & Shastry ; 1984)** समाजिक विकास जीवन की गुणवत्ता से सम्बन्धित हैं जीवन की गुणवत्ता का तात्पर्य उस प्रकार के जीवन स्तर से हैं ; जिसमें मानव जीवन की मौलिक आवश्यकताओं जैसे भोजन, वस्त्र, आवास शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ ही उच्च आवश्यकताओं जैसे मनोरंजन आदि की आपूर्ति होती है। यदि जीवन की गुणवत्ता का स्तर ऊँचा हो तो समाजिक स्तर भी ऊँचा होगा साथ ही समाजिक स्तर ऊँचा होने पर जीवन स्तर भी ऊँचा होगा। किसी क्षेत्र का समाजिक विकास वहाँ के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में परिलक्षित होता है। **(Karar H.E. ; 1999)**। सामाजिक विकास स्तर का आंकलन वहाँ के लोगो की कार्यक्षमता, कार्यरत व्यक्तियों की द्वितीयक एवं तृतीयक कार्यो में संलग्न जनसंख्या साक्षरता एवं शैक्षिक स्तर, पोषण स्तर, प्रति व्यक्ति अर्जित आय, जीवन प्रत्याशा नगरीय जनसंख्या के अनुपात आदि द्वारा किया जाता है। समन्वित रूप में भी सभी तत्व जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते है। अतः मनुष्य की दक्षता और अभिलाषा को अलग रखकर विकास के बारे में सोचा नहीं जा सकता। अल्प विकसित विश्व में जनंसख्या प्रतिरूप विकास की समस्या का हृदय है। **(Gosal & Krishanan ; 1984)**

Table-2

क्रं.	विकासखण्ड	कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	कुल जनसंख्या मुख्य कार्यरत जनसंख्या का प्रतिशत	मुख्य कार्यरत जनसंख्या में अन्य सेवाओं में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत	कुल जनसंख्या में साक्षर जनसंख्या का प्रतिशत	कुल स्त्रियों में साक्षर स्त्रियों का प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
1.	शुकुल बाजार	0	19.94	16.84	31.55	20.57
2.	जगदीशपुर	0	20.06	32.30	38.26	26.50
3.	मुसाफिरखाना	6.8	22.16	18.37	39.87	27.35
4.	बल्दीराय	0	22.03	20.75	43.16	30.67
5.	जामों	0	24.01	12.62	37.73	25.56
6.	शाहगढ़	0	22.90	13.46	43.49	30.83
7.	गौरीगंज	0	22.79	17.09	41.69	29.44
8.	अमेठी	10.82	20.93	22.65	48.00	35.40
9.	भेटुआ	6.66	24.73	14.97	45.48	32.40
10.	भादर	0	19.75	19.67	46.72	34.33
11.	संग्रामपुर	0	19.99	19.47	48.22	35.47
12.	धनपतगंज	0	21.59	16.31	46.70	34.07
13.	कूरेभार	0	20.21	28.22	46.66	34.39
14.	जयसिंहपुर	0	21.51	16.93	45.12	33.32
15.	कुड़वार	0	21.61	22.69	46.54	33.98
16.	दूबेपुर	33.03	20.55	31.63	47.74	35.40
17.	मोतिगरपुर	0	20.21	17.38	45.70	34.33
18.	दोस्तपुर	9.94	21.72	13.39	43.33	32.21
19.	अखण्डनगर	0	21.46	12.23	44.35	33.14
20.	कादीपुर	3.92	21.90	17.03	46.42	35.22
21.	भदैंया	0	19.38	27.44	45.96	33.33
22.	लम्भुआ	0	17.98	18.34	44.45	32.54
23.	पी0पी0 कमैंचा	6.11	19.69	18.84	45.99	34.16
	योग औसत	**4.74**	**21.09**	**20.10**	**43.98**	**31.92**

(सामाजिक विकास के सूचक)

स्त्री शिक्षाः–

स्त्रियाँ हमारे समाज की महत्वपूर्ण अंग है। वे गृहिणी के रूप में बच्चों का पालन करती है तथा उनको पढ़ाती है। इस प्रकार स्त्री साक्षरता का काफी महत्व है।

महिलाओं के विकास में कुछ सरकारी कार्यक्रमों का योगदान–

1. महिला सशक्तिकरण की राष्ट्रीय नीति (**20, March 2001**)
2. राजीव गाँधी किशोरी सशक्तिकरण स्कीम–सबला (**2010-11**)
3. इन्दिरा गाँधी मातृत्व सहयोग योजना (**2010-11**)
4. राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन (**8, March 2010**)
5. महिलाओं की शिक्षा के लिये कण्डेंस पाठ्यक्रम (**1958**)
6. ग्रामीण एवं निर्धन महिलाओं के लिए जागृति विकास परियोजनाएं (**1987-88**)
7. सामाजिक आर्थिक कार्यक्रम–(**1958**)

परिवार को सीमित रखने के लिए भी इनकी साक्षरता आवश्यक है। स्त्री शिक्षा से किसी क्षेत्र के समाजिक स्तर का संकेत मिलता है। समाज के विकास में सभी पक्षों में स्त्रियों की भूमिका अहम् होती है। क्योंकि इससे एक ओर जहाँ पुनरूत्पादक व्यवहाकर में सार्थक अन्तर आता है। वही दूसरीं ओर स्त्री शिक्षा का प्रत्यक्ष रूप से बच्चों की शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है। ग्रामीण महिलाओं में वर्तमान साक्षरता दर का स्तर उठाने, जन्म दर को कम करने में एक स्पष्ट समाजिक विकास तत्व के रूप में मान लिया जाता है। **(Yadav Madhu & Yadav H.L. ; 1995)** ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्री साक्षारता दर को जनांकिकी विकास के सर्वोत्तम सूचक के रूप में जाना जाता है। क्योंकि इसका सीधा प्रभाव विवाह की उम्र शिशु मृत्यु, प्रजननता एवं परिवार नियोजन पर पड़ता ळें

II. Methodology (क्रिया विधी)

इस अध्ययन में साक्षारता पर वर्ष 2001 की जनगणना से सुलतानपुर की साक्षरता का आंकलन किया गया है। सुलतानपुर में कुल 23 ब्लाक है। इस अध्ययन में सुलतानपुर के 23 ब्लाक लिये गये हैं। इसमें हमने 2001 की गणना से स्त्री साक्षारता दर ज्ञात किया है और इन दो मुख्य पुस्तकों की सहायता से–

1- "Spatial Perspective On Progress of female Literacy in India" (Krishan G. & Madhav Shyam; 1973).
2- "Female Literacy & Rural Development in U.P." (Yadav Madhu & Yadav H.L.; 1995)

III. Result & Discussion (परिणाम एवं परिचर्चा)

(बोस, 1992) अतएव समाजिक विकास स्तर के निर्धारण में इसके महत्व को देखते हुए स्त्री साक्षारता (कुल ग्रामीण स्त्रियों में साक्षर स्त्रियों) के अनुपात में आंकलन किया गया है।

Table-1

वर्ष	ग्रामीण स्त्रियों की साक्षरता दर (%)
1961	2.96
1971	6.18
1981	8.61
1991	16.74
2001	3.92

(वर्ष के अनुसार ग्रामीण स्त्रियों में साक्षर स्त्रियों का प्रतिशत)

अध्ययन क्षेत्र में वर्ष 1961, 1971, 1981 एवं 19911 में ग्रामीण स्त्रियों की साक्षारता का अनुपात क्रमशः 2.96 प्रतिशत 6.18 प्रतिशत 8.61 प्रतिशत तथा 16.74 प्रतिशत था जो 2001 में बढ़कर 31.92 प्रतिशत हो गया है।

Table-2

श्रेणी	साक्षर स्त्रियॉ प्रतिशत में	विकास खण्ड	
		संख्या	प्रतिशत
मध्यम उच्च	33.76 से अधिक	10	43.48
मध्यम	30.07-33.76	8	34.78
मध्यम निम्न	26.38-30.07	3	13.04
निम्न	22.6-26.38	1	4.35
अति निम्न	22-69 से कम	1	4.35

(श्रेणी के अनुसार कुल ग्रामीण स्त्रियों में साक्षर स्त्रियों का प्रतिशत 2001)

तालिका–2 एवं चित्र–ए के अध्ययन के स्पष्ट है। कि अनुक्रमता की मध्यम उच्च श्रेणी के अन्तर्गत सर्वाधिक 10 अर्थात 43.48 प्रतिशत विकासखण्ड सम्मिलित है। मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत 8 विकास खण्ड सम्मिलित है। मध्यम निम्न श्रेणी के अन्तर्गत गौरीगंज (29.44 प्रतिशत) मुसाफिरखाना (27.35) प्रतिशत जगदीशपुर (26.50 प्रतिशत) निम्न श्रेणी के अन्तर्गत जामों (25.56. प्रतिशत) तथा अति निम्न श्रेणी के अन्तर्गत शुकुल बाजार विकासखण्ड (20.57) सम्मिलित है। ये सभी विकासखण्ड अध्ययन क्षेत्र के पश्चिमी भाग में वितरित है, जहाँ अनुसूचित जातियों की अधिकता, शैक्षणिक, सुविधाओं की कमी, परिवहन एवं संचार साधनों की कमी के कारण स्त्री साक्षरता अल्प है।

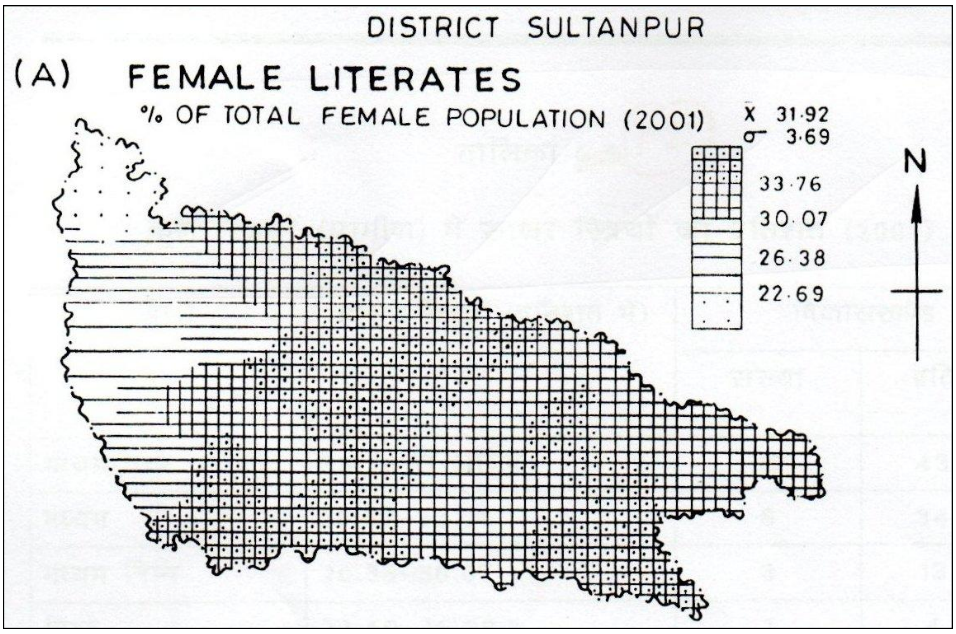

(Percentage of total female population-2001)

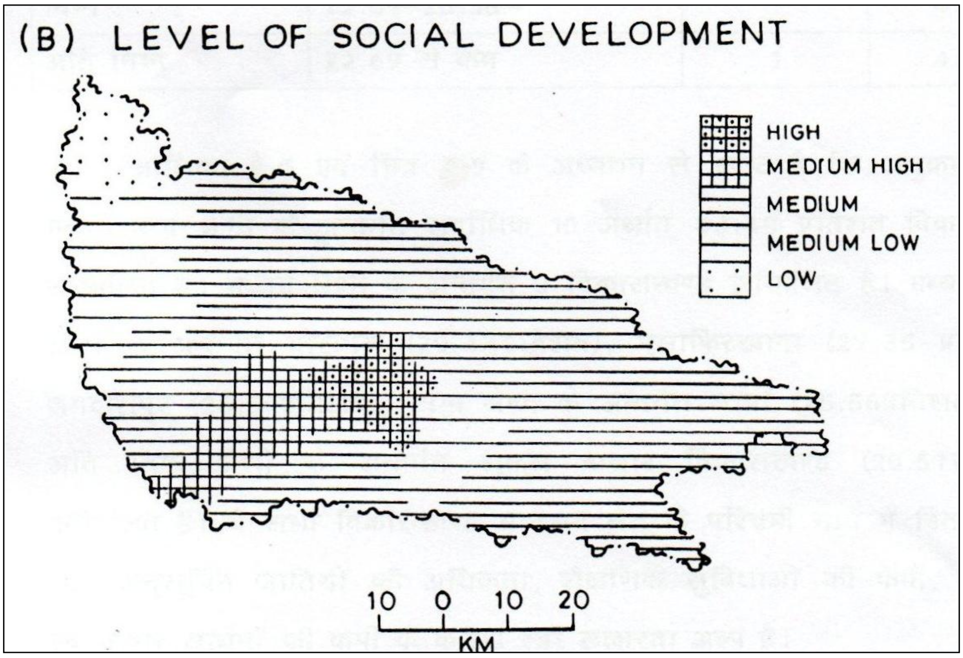

(Level of social Development)

यद्यपि कि ग्रामीण पुरूषों की अपेक्षा ग्रामीण स्त्रियों की साक्षरता की वृद्धि का अनुपात अधिक है, लेकिन अब भी ग्रामीण पुरूषों (55.85) की अपेक्षा ग्रामीण स्त्रियों (31.93) की साक्षरता अल्प है। पुरूषों की अपेक्षा स्त्रियों में साक्षरता की अल्पता का कारण शिक्षा के लिए बालिकाओं की तुलना में बालको को अधिक वरीयता देना है। (**Krishnan G.N. & Madhav Shyam; 1939**) स्त्रियों को परिसंचरण पर अवरोध, बाल–विवाह उनके लिए पृथक शिक्षा संस्थाओं का अभाव, उनकी शिक्षा में एक बड़ा अवरोध है। सामान्यतः देश के बहुत से भागों में बालिकायें अपने माता–पिता की उपेक्षा की शिकार हो रही है। यही दशा उनकी शिक्षा में भी है। गॉव के अन्दर या बाहर उनका परिसंचरण बहुत कम था। अब भी किसी बालिका को किसी समीपवर्ती ग्राम के विद्यालय में भेजना सुरक्षित नहीं समझा जाता है। (**Gosal;** 1985) स्त्री शिक्षा की अल्पता का एक प्रमुख कारण स्त्री शिक्षा के विरूद्ध भाव, अर्थात कार्यकारी उपादेयता का न होना भी है। वर्तमान समय में सरकार, समाज एवं परिवार के द्वारा स्त्री साक्षरता को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिससे पुरुष और स्त्री साक्षरता का अन्तराल भी कम होता जा रहा है। स्त्रियों की साक्षरता दर में अधिक वृद्धि का मुख्य कारण यह है कि उनकी साक्षरता बहुत निम्न है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा संस्थाओं को प्रसार हुआ है। फलतः स्त्री अध्यपिकाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। जिसका स्त्री शिक्षा प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही बढती समाजिक चेतना और बढ़ती पुरूष साक्षरता के कारण स्त्री साक्षरता को सम्बल मिला है। क्योंकि स्त्री साक्षरता आज वैवाहिक आवश्यकता बनती जा रही है। (**Chandana R.C. ;** 1995)

Table No.-3

क्रं.	विकासखण्ड	कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या	कुल जनसंख्या मुख्य कार्यरत जनसंख्या	मुख्य कार्यरत जनसंख्या में अन्य सेवाओं में संलग्न जनसंख्या	कुल जनसंख्या में साक्षर जनसंख्या	कुल स्त्रियों में साक्षर स्त्रियों	योग
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	शुकुल बाजार	-0.65	-0.75	-0.58	-3.20	-3.07	-8.25
2.	जगदीशपुर	-0.65	-0.67	2.19	-1.47	-1.47	-2.07
3.	मुसाफिरखाना	-0.21	0.69	-0.31	-1.06	-1.24	-1.71
4.	बल्दीराय	-0.65	0.61	0.12	-0.21	-0.34	-0.47
5.	जामों	-0.65	1.91	-1.34	-1.61	-1.72	-3.41
6.	शाहगढ़	-0.65	1.18	-1.19	-0.13	-0.29	-1.08
7.	गौरीगंज	-0.65	1.11	-0.54	-0.59	-0.67	-1.34
8.	अमेठी	-0.83	-0.10	0.46	1.04	0.94	3.17
9.	भेटुआ	-0.26	2.38	-0.92	0.39	0.13	2.24
10.	भादर	-0.65	-0.87	-0.08	0.71	0.65	-0.24
11.	संग्रामपुर	-0.65	-0.72	-0.11	1.09	0.96	0.57
12.	धनपतगंज	-0.65	0.33	-0.68	0.70	0.58	0.28
13.	कूरेभार	-0.65	-0.57	1.45	0.69	0.67	1.59
14.	जयसिंहपुर	-0.65	0.27	-0.57	0.29	0.38	-0.28
15.	कुड़वार	-0.65	0.34	0.46	0.66	0.56	1.37
16.	दूबेपुर	3.86	-0.35	2.07	0.97	0.94	7.49
17.	मोतिगरपुर	-0.65	-0.57	-0.49	0.44	0.65	-0.62
18.	दोस्तपुर	-0.71	0.41	-1.20	-0.17	0.08	-0.17
19.	अखण्डनगर	-0.65	0.24	-1.41	0.09	0.33	-1.40
20.	कादीपुर	-0.11	0.53	-0.55	0.63	0.89	1.39
21.	भदैंया	-0.65	-1.12	1.31	0.51	0.38	0.43
22.	लम्भुआ	-0.65	-2.03	-0.31	0.12	0.17	-2.70
23.	प्रतापपुरकमैंचा	0.19	-0.91	-0.22	0.52	0.58	0.16

(सामाजिक विकास के सूचकों का मानक लब्धांक)

अध्ययन क्षेत्र के सामाजिक विकास स्तर को ज्ञात करने के लिए 5 सूचकों कुल जनंसख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत, कुल जनंसख्या में मुख्य कार्यरत जनंसख्या का प्रतिशत, मुख्य कार्यरत जनसंख्या में अन्य सेवाओं में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत कुल जनसंख्या में साक्षारत का प्रतिशत तथा कुल स्त्रियों में साक्षर स्त्रियों साक्षर स्त्रियों का प्रतिशत का लिया गया है प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर इन सूचकों के मानक लाब्धांक की गणना को जोड़कर तथा वर्गीकृत कर सामाजिक विकास स्तर का ज्ञात किया गया है। विकास खण्ड स्तर पर कुल अधिकतम मानक लब्धांक + 7.49 तथा न्यूनतम मानक लब्धांक–8.25 विश्लेषण हेतु इसे 5 श्रेणियों में विभक्त किया गया है तथा विकास खण्ड स्तर पर कुल स्त्रियो में साक्षर स्त्रियों का अधिकतम मानक लब्धांक 3.07 है जो कि शुकुल बाजर का है, और न्यूनतम मानक लब्धांक 0.08 है जो दोस्तपुर का है। इससे यह ज्ञात होता है कि शुकुल बाजार ब्लाक में स्त्रियां सबसे अधिक साक्षर हैं और न्यूनतम साक्षर दोस्तपुर ब्लाक की स्त्रियां हैं।

IV. Conclusion (निष्कर्ष)

इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि महिलाओं की साक्षरता दर में वर्ष 1961 से लेकर 2001 के मध्य काफी आधिक बदलाव पाया गया है। महिलाओं का जीवन स्तर उनके शिक्षा स्तर के अनुसार होता था, जैसे–जैसे उनका शिक्षा स्तर बढ़ता गया वैसे–वैसे ही उनके सामाजिक विकास स्तर में भी अन्तर पाया गया है। जो कि अब के अध्ययन के मुताबिक ज्यादातर महिलायें मध्य स्तर से सम्पर्क करती हैं। सुलतानपुर में ब्लाक के अनुसार देखा जाये तो महिलाओं का सबसे अधिकतम साक्षरता दर शुकुल बाजार ब्लाक में पाया गया है। जिसका मानक लब्धांक 3.07 है और न्यूनतम साक्षरता पर दोस्तपुर ब्लाक में पाया गया है। जिसका मानक लब्धांक 0.08 है।

Reference ¼सन्दर्भ ग्रन्थ सूची)

[1]. Chandna, R.C.(1995) : op, cit, 228
[2]. Chandna, R.C.(1995) : op, cit, p, 237
[3]. Davis, kingsley, (1967): “The origin and Growth of urbanisation in the world”, in Mayor, H.M. and Cohn, C.F. (eds), Redings in Urban Geography, University of Chieago, Chieago, p, 59.
[4]. Ganier J.B. (1978) : Geography of population, Longman, London, p, 291.
[5]. Gosal, G.S. (1985): “Spatial Perspective on Literacy in India. in Sundarm, K.V. and Nangiya, Sudish, (eds)’ Population Geography; Heritage Publishers, New Delhi, p, 270.

[6]. Gosal, G.S. and Kishan G. (1984) : Regional Disparities in levels of Socio-economic Development in Punjab Vishal Publications, Kurushketra, p, 117.
[7]. Gosal, G.S. and Krishan G. (1984) : op, cit, p,122.
[8]. Gupt, Ravindra (1981): “District Cenus Handbook, Uttar Pradesh, Distt Sultanpur, Part XIII-B, Primary Census, Census, Abstract, p-XII.
[9]. Krishan G. and Madhav, Shyam (1973) : “Spatial Perspective on Progress of Female Literacy in India, 1901-1971 : Pacific viewpoint, vol, 14, p,204.
[10]. Sharma, P.N. & Shastry, C, (1984) : “Social Planning concepts and Techiques”. Print House, Lucknow, pp, 18-19
[11]. Yadav, Madhu & Yadav H.L. (1995): “Female Literacy and rural development in U.P.” U.B.B.P. Gorakhpur, Vol. 30, p,83.

Website Reference :

1- http:// www.vivacepanorama.com/womens-dvelopment-plans-and-programs/
2- http://www.rachankar.org/ms/2015/08/blog--post_580.htm/?m=1

IOSR Journal of Humanities and Social Science (IOSR-JHSS) is UGC approved Journal with Sl. No. 5070, Journal no. 49323.

डॉ0 दीप्ती श्रीवास्तवण् श्जनपद सुल्तानपुरः समाजिक विकास स्तर में स्त्री साक्षरता का यझेगदानण्श प्व्ै श्रवनतदंस व िभ्नउंदपजपमे ।दक ैवबपंस ैबपमदबम ;प्व्ैत्श्रभ्ैैद्ध ए अवसण 22ए दवण 9ए 2017ए चचण 07दृ12ण